# भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

# हिन्दी कोना

**********

**परिचय :**

प्राधिकरण अपने सभी कार्यकलापों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु प्रगामी रूप में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। हिन्दी के व्यापक प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत विगत काफी समय से इस बात की आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि प्राधिकरण में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को भी ई-फॉर्मेट में रखने के लिए एक **"हिन्दी कोना"** विकसित किया जाए। इसी के दृष्टिगत माननीया अध्यक्ष महोदया के कुशल मार्गदर्शन में यह हिन्दी कोना विकसित किया गया है।

## भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

प्राधिकरण में राजभाषा नीति का सफल कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत प्राधिकरण के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं उप कार्यालयों में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के दृष्टिगत प्राधिकरण में राजभाषा हिन्दी में किए जा रहे कामकाज की समीक्षा की जाती है और इसे लक्ष्योन्मुखी

बनाने के लिए आवश्यक निर्णय लिए जाते हैं तथा इन लिए गए निर्णयों पर अनुपालनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

प्राधिकरण के कार्मिकों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु तिमाही रूप से हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यशालाओं में कार्मिकों को यह बताया जाता है कि वे मुख्य धारा के कार्य राजभाषा नियम तथा अधिनियम के तहत अनुशासित रहते हुए निष्पादित करें। साथ ही, कार्यालयी भाषा में सरल हिन्दी का प्रयोग करें। साथ ही, भाषा को व्यवहारिक रूप प्रदान करने के लिए अष्टम अनुसूची में दी गई भारतीय भाषाओं के पद, रूप और शैलियों को आत्मसात करते हुए अपना शब्द भण्डार बढ़ाएं।

प्राधिकरण में तिमाही रूप से हिन्दी टिप्पण लेखन प्रोतसाहन योजना लागू की जाती है। इसके तहत कार्मिकों के काम काज का निरीक्षण डेस्क टू डेस्क जाकर किया जाता है और मेधाक्रम में गुणवत्तापूर्ण तथा उत्कृष्ट टिप्पणी लिखने वाले कार्मिकों को राजभाषा मित्र घोषित किया जाता है। प्राधिकरण में कार्मिकों को हिन्दी के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक तिमाही के दौरान हिन्दी में अधिकाधिक, गुणवत्तापूर्ण तथा उत्कृष्ट टिप्पणी लिखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। इस योजना को प्राधिकरण के क्षेत्रीय तथा उपकार्यालयों में भी व्यापक रुप से लागू किया गया है।

कार्मिकों के मध्य हिन्दी के प्रति प्रेम निष्ठा और सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार करने के लिए समय-समय पर अन्य संबंधित कार्यकलापों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता हैं। **सितंबर माह** में

**हिन्दी दिवस / सप्ताह / पखवाड़ा** आयोजित किया जाता है, जिसके तहत हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी टिप्पण-आलेखन एवं राजभाषा ज्ञान, हिन्दी काव्य पाठ, हिन्दी कहानी पाठ एवं चित्रकथा लेखन, आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है तथा विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।

प्राधिकरण के क्षेत्रीय तथा उप कार्यालयों में हिन्दी प्रगति का जायजा लेने के लिए मुख्यालय के स्तर पर निगरानी की जाती है जिसके तहत क्षेत्रीय कार्यालयों के राजभाषा विषयक निरीक्षण किए जाते हैं तथा पाई गई कमियों तथा विरोधाभाषियों को दूर करने के लिए समीक्षा रिपोर्ट भेजी जाती है। इसके अलावा इन कार्यालयों की तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा कर इन्हें समीक्षा रिपोर्ट से अवगत कराया जाता है।

# नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय), नौएडा के अध्यक्षीय कार्यालय के रूप में भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की भूमिका

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नौएडा को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1996 से **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), नौएडा** के अध्यक्षीय कार्यालय का दायित्व सौंपा गया है। तभी से यह प्राधिकरण नौएडा नगर स्तर पर राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं लक्ष्योन्मुखी विकास के लिए प्रयासरत रहा है।

- प्राधिकरण के अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय), नौएडा के पदेन अध्यक्ष एवं प्राधिकरण के हिन्दी अधिकारी इसके सदस्य सचिव हैं।

- वर्तमान में नराकास (कार्यालय), नौएडा के 42 सदस्य कार्यालय हैं।

- प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक वर्ष राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित **जनवरी** एवं **अगस्त** माह में **छमाही बैठकों** का आयोजन कराया जाता है।

- छमाही बैठक में राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्य कार्यालयों को वार्षिक रूप से **प्रथम (चल वैजयंती), द्वितीय, तृतीय एवं दो प्रोत्साहन राजभाषा शील्ड एवं प्रमाणपत्र** प्रदान किए जाते हैं।

- नराकास की बैठकों में सदस्य कार्यालयों से प्राप्त **छमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा** की जाती है एवं पाई गई कमियों एवं विरोधाभाषों को दूर कराने के प्रयास किए जाते हैं।

- नराकास की बैठकों में सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के बच्चों को प्रत्येक वर्ष **10वीं एवं 12वीं में हिन्दी विषय में उत्कृष्ट अंक (ग्रेड - ए1) लाने के लिए रु. 2000/- का नकद पुरस्कार एवं सम्मान पत्र** प्रदान किया जाता है।

- सदस्य कार्यालयों के मध्य विविध विषयों पर **हिन्दी प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, आदि** आयोजित कराया जाता है एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है।

- प्राधिकरण द्वारा नराकास (कार्यालय), नौएडा की वार्षिक गृह पत्रिका **'नौएडा स्वर'** का ई-प्रकाशन भी किया जाता है, जिसमें सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों से प्राप्त लेखों, कहानियों, कविता, संस्मरण, आदि को प्रकाशित किया जाता है।

********

**"हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य को सर्वांगसुंदर बनाना हमारा कर्त्तव्य है।"**

**- डॉ. राजेंद्र प्रसाद।**

********